दैनिक भास्कर

बुरहानपुर 30-11-2024

भोपाल गैस त्रासदी विश्व में औद्योगिक इतिहास की सबसे भयावह घटना, इससे बचने जागरूकता जरूरी

नेपानगर| भोपाल गैस त्रासदी न केवल भारत बल्कि, पूरे विश्व के औद्योगिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक है। आज 40 साल बाद भी इसके प्रभाव समाज और पर्यावरण पर स्पष्ट दिख रहे हैं। इससे जुड़े शोध और जागरूकता को जारी रखना जरूरी है, ताकि ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके और पीड़ितों को न्याय मिल सके। हमें हमारे संयंत्रों में भी कार्य के दौरान परस्पर संप्रेषण करना चाहिए। सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही न हो, इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। जोखिम वाले कार्य को करने के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सहित आवश्यक परमिट वगैरह की औपचारिकताएं भी पूर्ण करनी चाहिए। किसी भी प्रकार के संकट की आशंका पर अपने रिपोर्टिंग अधिकारी को तत्काल संपर्क करना चाहिए।

शुक्रवार को नेपा लिमिटेड कारखाना परिसर स्थित सभाकक्ष में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य महाप्रबंधक कार्य राम अलागेसन ने यह बात कही। इस दौरान भोपाल गैस त्रासदी पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। दरअसल केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में मध्यप्रदेश शासन के दिशा-निर्देश और सीएमडी राकेश कुमार चोखानी के मार्गदर्शन में 27 नवंबर से 3 दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत मिल कर्मचारियों और अधिकारियों में औद्योगिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां कराई जा रही है।

अग्निशमन मॉक ड्रिल और प्रशिक्षण आज

औद्योगिक संरक्षा को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को नेपा मिल के आरएमएस गोदाम परिसर में मिल कर्मचारियों के लिए अग्निशमन विभाग द्वारा अग्निशमन की मॉक ड्रिल कराने के साथ विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। 3 दिसंबर को समापन पर भोपाल गैस त्रासदी के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस दौरान सप्ताह भर हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। शुक्रवार को हुए कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत सुमंत कानफाड़े, प्रबंधक कार्मिक प्रशासन और पावर हाउस महेंद्र केशरी, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, उप प्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी, सहायक प्रबंधक डीआईपी देवेंद्र महोबे, उदेश नकुल, आशुतोष मिश्रा, धनंजय प्रसाद मिश्रा, एसके तारापुरे, संजय महाजन, पवन पवार, प्रांजल तिवारी, अनीस मंसूरी, पंकज मराठे, वर्षा पटेल, जितेंद्र पवार, जयंत टाक, हिमांशु पांडेय और भूषण जायसवाल सहित कई अफसर-कर्मी मौजूद थे। संचालन जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने किया। आभार सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने माना।

विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी के 40 साल पूरे

सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने कहा- विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी भोपाल गैस कांड को 40 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। लेकिन इस त्रासदी का शिकार हुए लोगों के जख्म आज भी ताजा हैं और शायद ये कभी भरेंगे भी नहीं। क्योंकि अपनों को खोने के दर्द और उस भयानक हादसे को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। 2 और 3 दिसंबर 1984 की वो पहली रात नहीं थी, जब यूनियन कार्बाइड से जहरीली गैस रिसी थी। इससे पहले भी कई बार छोटे पैमाने पर गैस का रिसाव हुआ था, जिसमें एक जान भी गई थी, लेकिन कार्बाइड प्रबंधन ने इसके बाद भी सतर्कता नहीं बरती। प्रबंधन इसको लेकर पहले ही सतर्क हो जाता तो भोपाल को श्मशान में बदल देने वाली वो मनहूस रात इतिहास के पन्नों पर दर्ज ही नहीं होती। ऐसी घटनाओं से हम सबको सबक लेने की आवश्यकता है।

पत्रिका

नेपा मिल की ओर से 27 नवंबर से 3 दिसंबर तक मनाया जा रहा औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह

'भोपाल गैस त्रासदी न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के औद्योगिक इतिहास की भयावह घटनाओं में से एक'

पत्रिका सिटी रिपोर्टर
patrika.com

नेपानगर. शुक्रवार को नेपा लिमिटेड के कारखाना परिसर स्थित सभाकक्ष में भोपाल गैस त्रासदी पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक कार्य राम अलागेसन ने की। इस दौरान उन्होंने कहा भोपाल गैस त्रासदी न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के औद्योगिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक हैं। आज 40 साल बाद भी इसके प्रभाव समाज और पर्यावरण पर स्पष्ट दिख रहे हैं।

दरअसल केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में मध्यप्रदेश शासन के दिशा निर्देश और सीएमडी राकेश कुमार चोखानी के मार्गदर्शन में 27 नवंबर से 3 दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत मिल कर्मचारियों और अधिकारियों में औद्योगिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कहा कि इससे जुड़े शोध और जागरूकता को जारी रखना जरूरी है ताकि ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके और पीड़ितों को न्याय मिल सके। हमें हमारे संयंत्रों में भी कार्य के दौरान परस्पर संप्रेषण करना चाहिए। सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही न हो, इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। जोखिम वाले कार्य को करने के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सहित आवश्यक परमिट वगैरह की औपचारिकताएं भी पूर्ण करनी चाहिए। संकट की आशंका पर अपने रिपोर्टिंग अधिकारी को तत्काल संपर्क करना चाहिए।

आज होगी अग्निशमन की मॉक ड्रिल

औद्योगिक संरक्षा को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को नेपा मिल के आरएमएस गोदाम परिसर में मिल कर्मचारियों के लिए अग्निशमन विभाग द्वारा अग्निशमन की मॉक ड्रिल और विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। आगामी 3 दिसंबर को समापन अवसर पर भोपाल गैस त्रासदी के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस दौरान सप्ताहभर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। संचालन जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने किया। आभार सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने माना। इस दौरान वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत सुमंत कानफाड़े, प्रबंधक कार्मिक प्रशासन और पावर हाउस महेंद्र केशरीए प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, उप प्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी, सहायक प्रबंधक डीआईपी देवेंद्र महोबे, उदेश नकुल, आशुतोष मिश्रा, धनंजय प्रसाद मिश्रा, एसके तारापुरे, संजय महाजन, पवन पवार आदि मौजूद थे।

40 साल पहले हुई त्रास्दी के जख्म आज भी ताजा

सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने बताया विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी यानी भोपाल गैस कांड को 40 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं, लेकिन मानों इस त्रासदी का शिकार हुए लोगों के जख्म जैसे अभी ताजा ही हैं और शायद ये कभी भरेंगे भी नहीं, क्योंकि अपनो को खोने का दर्द वो भी किसी भयानक हादसे में कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। 2 और 3 दिसंबर 1984 वो पहली रात नहीं थी जब यूनियन कार्बाइड से वो जहरीली गैस रिसी थी। इससे पहले भी कई बार छोटे पैमाने पर गैस का रिसाव भी हुआ जिसमें एक जान भी चली गई थी।

नेपा लिमिटेड में मध्यप्रदेश शासन के दिशा निर्देशो के अनुपालन में 27 नवंबर से 3 दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले

बुरहानपुर। नेपानगर में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में मध्यप्रदेश शासन के दिशा निर्देशो के अनुपालन और सीएमडी राकेश कुमार चोखानी के मार्गदर्शन में 27 नवंबर

से 3 दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत मिल कर्मचारियों और अधिकारियों में औद्योगिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में शुक्रवार को नेपा लिमिटेड के कारखाना परिसर स्थित सभाकक्ष में भोपाल गैस त्रासदी पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य महाप्रबंधक कार्य राम अलागेसन ने कहा भोपाल गैस त्रासदी न केवल भारत बल्कि,पूरे विश्व के औद्योगिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक है। आज 40 साल बाद भी इसके प्रभाव समाज और पर्यावरण पर स्पष्ट दिख रहे हैं। इससे जुड़े शोध और जागरूकता को जारी रखना जरूरी है ताकि ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके और पीड़ितों को न्याय मिल सके। हमें हमारे संयंत्रों में भी कार्य के दौरान परस्पर संप्रेषण करना चाहिए। सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही न हो, इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। जोखिम वालें कार्य को करने के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सहित आवश्यक परमिट वगैरह की औपचारिकताएं भी पूर्ण करनी चाहिए। किसी भी प्रकार के संकट की आशंका पर अपने रिपोर्टिंग अधिकारी को तत्काल संपर्क करना चाहिए।

सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने बताया

विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी यानी भोपाल गैस कांड को 40 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं लेकिन,मानों इस त्रासदी का शिकार हुए लोगों के जख्म जैसे अभी ताजा ही हैं और शायद ये कभी भरेंगे भी नहीं। क्योंकि अपनो को खोने का दर्द, वो भी किसी भयानक हादसे में, कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। 2 और 3 दिसंबर 1984 वो पहली रात नहीं थी, जब यूनियन कार्बाइड से वो जहरीली गैस रिसी थी। इससे पहले भी कई बार छोटे पैमाने पर गैस का रिसाव भी हुआ, जिसमें एक जान भी चली गई थी। लेकिन, कार्बाइड प्रबंधन के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। अगर प्रबंधन इसे लेकर पहले ही सतर्क हो जाता, तो यकीनन भोपाल के शमशान में बदल देने वाली वो मनहूस रात इतिहास के पन्नो पर दर्ज ही नहीं होती। ऐसी घटनाओं से हम सबको सबक लेने की आवश्यकता है। नेपा लिमिटेड का औद्योगिक संरक्षा विभाग संस्थान में सुरक्षा हेतु प्रतिबद्ध हैं। औद्योगिक संरक्षा को बढ़ावा देने हेतु शनिवार को नेपा मिल के आरएमएस गोदाम परिसर में मिल कर्मचारियों के लिए अग्निशमन विभाग द्वारा अग्निशमन की मॉक ड्रिल और विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। आगामी 3 दिसंबर को समापन अवसर पर भोपाल गैस त्रासदी के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस दौरान सप्ताह भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओ के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने किया और आभार सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने माना। इस दौरान वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत सुमंत कानफाड़े, प्रबंधक कार्मिक प्रशासन और पावर हाउस महेंद्र केशरी, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख,उप प्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी, सहायक प्रबंधक डीआईपी देवेंद्र महोबे, उदेश नकुल,आशुतोष मिश्रा,धनंजय प्रसाद मिश्रा,एसके तारापुरे, संजय महाजन,पवन पवार,प्रांजल तिवारी, अनीस मंसूरी,पंकज मराठे,वर्षा पटेल, जितेंद्र पवार,जयंत टाक,हिमांशु पांडेय, भूषण जायसवाल सहित कई अफसर कर्मी उपस्थित थे।

स्वदेश

खंडवा - मुख्य संस्करण

Date 30 Nov 2024

नेपा मिल महाप्रबंधक राम अलागेशन बोले-

भोपाल गैस त्रास्दी भारत ही नहीं विश्व के औद्योगिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक

स्वदेश समाचार ■ बुरहानपुर

भोपाल गैस त्रासदी न केवल भारत बल्कि, पूरे विश्व के औद्योगिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक है। आज 40 साल बाद भी इसके प्रभाव समाज और पर्यावरण पर स्पष्ट दिख रहे हैं। इससे जुड़े शोध और जागरूकता को जारी रखना जरूरी है ताकि ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके और पीड़ितों को न्याय मिल सके। हमें हमारे संयंत्रों में भी कार्य के दौरान परस्पर सहयोग करना चाहिए। सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही न हो इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। जोखिम वाले कार्य को करने के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सहित आवश्यक परमिट वगैरह की औपचारिकताएं भी पूर्ण करनी चाहिए। किसी भी प्रकार के संकट की आशंका पर अपने रिपोर्टिंग अधिकारी को तत्काल संपर्क करना चाहिए।

यह बात नेपा मिल के महाप्रबंधक राम अलागेशन ने शुक्रवार को नेपा मिल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही। दरअसल मिल में 27 नवंबर से 3 दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। अफसर, कर्मचारियों को भोपाल गैस त्रास्दी पर आधारित लघु फिल्म दिखाई गई। इस दौरान सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने कहा-विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी यानी भोपाल गैस कांड को 40 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं लेकिन, मानों इस त्रासदी का शिकार हुए लोगों के जख्म जैसे अभी ताजा ही हैं और शायद ये कभी भरेंगे भी नहीं। क्योंकि अपनो को खोने का दर्द कभी भुलाया नहीं जा सकता।

शनिवार को नेपा मिल के आरएमएस गोदाम परिसर में मिल कर्मचारियों के लिए अग्निशमन विभाग द्वारा अग्निशमन की मॉक ड्रिल और विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। आगामी 3 दिसंबर को समापन अवसर पर भोपाल गैस त्रासदी के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस दौरान सप्ताहभर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओ के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। संचालन जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने किया। आभार सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने माना।

यह रहे मौजूद- कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत सुमंत कानफाड़े, प्रबंधक कार्मिक प्रशासन और पावर हाउस महेंद्र केशरी, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, उप प्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी, सहायक प्रबंधक डीआईपी देवेंद्र महोबे, उदेश नकुल, आशुतोष मिश्रा, धनंजय प्रसाद मिश्रा, एसके तारापुरे, संजय महाजन, पवन पवार, प्रांजल तिवारी, अनीस मंसूरी, पंकज मराठे, वर्षा पटेल, जितेंद्र पवार, जयंत टाक, हिमांशु पांडेय, भूषण जायसवाल सहित कई अफसर कर्मी उपस्थित थे।

नेपा लिमिटेड में औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह प्रारंभ, तीन दिसंबर को होगा समापन

इतिहास की भयावह घटना थी भोपाल त्रासदी

नईदुनिया संजय चौहान 9406689018

नईदुनिया न्यूज, नेपानगर: भोपाल गैस त्रासदी न केवल भारत बल्कि, विश्व के औद्योगिक इतिहास की सबसे भयावह घटना थी। करीब 40 साल बाद भी समाज और पर्यावरण पर इसका प्रभाव स्पष्ट दिख रहा है। शोध, और जागरूकता से ऐसी त्रासदियों को रोका जा सकता है।

यह बात शुक्रवार को नेपा मिल के मुख्य महाप्रबंधक कार्य राम अलागेसन ने औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि हमें संयंत्रों में भी कार्य के दौरान परस्पर संप्रेषण करना चाहिए। सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही न हो इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने कहा कि गैस कांड के शिकार हुए लोगों के जख्म शायद कभी नहीं भरेंगे। ज्ञात हो कि नेपा मिल में 27 नवंबर से तीन दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। शुक्रवार को भोपाल गैस त्रासदी पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। सप्ताह के समापन अवसर पर भोपाल गैस त्रासदी के मृतकों को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह संबंधी कार्यक्रम में मौजूद नेपा मिल के अधिकारी-कर्मचारी। • नईदुनिया

आज होगी अग्निशमन की माकड्रिल: औद्योगिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को नेपा मिल के आरएमएस गोदाम परिसर में अग्निशमन की माकड्रिल और विशेष प्रशिक्षण होगा। इस दौरान सप्ताह भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत सुमंत कानफाड़े, प्रबंधक कार्मिक प्रशासन और पावर हाउस महेंद्र केशरी, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, उप प्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी, संजय महाजन, पवन पवार, प्रांजल तिवारी आदि उपस्थित थे।

नेपा लिमिटेड में औद्योगिक सुरक्षा जागरूकता सप्ताह

भोपाल गैस त्रासदी पर केंद्रित लघु फिल्म का किया गया प्रदर्शन

नेपानगर ■ ध्रुव वाणी।

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में मध्यप्रदेश शासन के दिशा निर्देशों के अनुपालन और सीएमडी राकेश कुमार चोखानी के मार्गदर्शन में 27 नवंबर से 3 दिसंबर तक औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके तहत मिल कर्मचारियों और अधिकारियों में औद्योगिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में शुक्रवार को नेपा लिमिटेड के कारखाना परिसर स्थित सभाकक्ष में भोपाल गैस त्रासदी पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य महाप्रबंधक कार्य राम अलागेसन ने कहा भोपाल गैस त्रासदी न केवल भारत बल्कि, पूरे विश्व के औद्योगिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक है। आज 40 साल बाद भी इसके प्रभाव समाज और पर्यावरण पर स्पष्ट दिख रहे हैं। इससे जुड़े शोध और जागरूकता को जारी रखना जरूरी है ताकि ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके और पीड़ितों को न्याय मिल सके। हमें हमारे संयंत्रों में भी कार्य के दौरान परस्पर संप्रेषण करना चाहिए। सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही न हो, इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। जोखिम वाले कार्य

को करने के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सहित आवश्यक परमिट वगैरह की औपचारिकताएं भी पूर्ण करनी चाहिए। किसी भी प्रकार के संकट की आशंका पर अपने रिपोर्टिंग अधिकारी को तत्काल संपर्क करना चाहिए।

सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने बताया -विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी यानी भोपाल गैस कांड को 40 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं लेकिन, मानों इस त्रासदी का शिकार हुए लोगों के जख्म जैसे अभी ताजा ही हैं और शायद ये कभी भरेंगे भी नहीं। क्योंकि अपनों को खोने का दर्द, वो भी किसी भयानक हादसे में, कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। 2 और 3 दिसंबर 1984 की पहली रात नहीं थी, जब यूनियन कार्बाइड से वो जहरीली गैस रिसी थी। इससे पहले भी कई बार छोटे पैमाने पर गैस का रिसाव भी हुआ, जिसमें एक जान भी चली गई थी। लेकिन, कार्बाइड प्रबंधन के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। अगर प्रबंधन इसे लेकर पहले ही सतर्क हो जाता, तो यकीनन भोपाल के श्मशान में बदल देने वाली वो मनहूस रात इतिहास के पन्नों पर दर्ज ही नहीं होती। ऐसी घटनाओं से हम सबको सबक लेने की आवश्यकता है। नेपा लिमिटेड का औद्योगिक संरक्षा विभाग संस्थान में सुरक्षा हेतु प्रतिबद्ध हैं। औद्योगिक संरक्षा को बढ़ावा देने हेतु शनिवार को नेपा मिल के आरएमएस गोदाम परिसर में मिल कर्मचारियों के लिए अग्निशमन विभाग द्वारा अग्निशमन की मॉक ड्रिल और विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। आगामी 3 दिसंबर को समापन अवसर पर भोपाल गैस त्रासदी के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस दौरान सप्ताह भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने किया और आभार सहायक प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा प्रशांत सोनी ने माना। इस दौरान वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत सुमंत कानफाड़े, प्रबंधक कार्मिक प्रशासन और पावर हाउस महेंद्र केसरी, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, उप प्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी, सहायक प्रबंधक डीआईपी देवेंद्र महोबे, उदेश नकुल, आशुतोष मिश्रा, धनंजय प्रसाद मिश्रा, एसके तारापुरे, संजय महाजन, पवन पवार, प्रांजल तिवारी, अनीस मंसूरी, पंकज मराठे, वर्षा पटेल, जितेंद्र पवार, जयंत टाक, हिमांशु पांडेय, भूषण जायसवाल सहित कई अफसर कर्मी उपस्थित थे।